अकादमिक एक्सीलेंस और नए युग के लीडर्स का सम्मान किया

• यूपीईएस ने अपने 22वें दीक्षांत समारोह का किया शानदार समापन

भास्कर समाचार सेवा

देहरादून। यूपीईएस ने मंगलवार को अपने 22वें दीक्षांत समारोह का शानदार समापन किया। पहली बार पांच दिनों तक आयोजित इस दीक्षांत समारोह में यूपीईएस के सातों स्कूलों के स्नातकों को सम्मानित किया गया, जिससे उनकी अनूठी उपलब्धियों को पहचान मिली।

समारोह में यूपीईएस ने प्रतिष्ठित सामाजिक-राजनीतिक हस्तियों को भी आमंत्रित किया और समाज में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) और कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (केआईएसएस) के संस्थापक सचिव प्रोफेसर अच्युत सामंत को शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन में उनके प्रभावशाली कार्य के लिए सम्मानित किया गया। ब्रिटिश-भारतीय व्यवसायी लॉर्ड करण बिलिमोरिया को क्रॉस-कल्चरल लीडरशिप में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

दीक्षांत समारोह के दौरान यूपीईएस ने अपने रिसर्च एक्सीलेंस और ग्लोबल प्रभाव का प्रदर्शन किया जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे विश्वविद्यालय ने ग्लोबल मानकों के बराबर प्रति व्यक्ति अनुसंधान उत्पादन हासिल किया है। यूपीईएस को बजाज इंजीनियरिंग कौशल प्रशिक्षण पहल की मेजबानी के लिए चुना गया है, जिसके माध्यम से बजाज ऑटो मेक्ट्रोनिक्स, मोशन कंट्रोल और सेंसर टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स और ऑटोमेशन और इंडस्ट्री 4.0 और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। रिसर्च पर विश्वविद्यालय का जोर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, पीएचडी कार्यक्रमों और रिसर्च अवसरों के लिए सालाना लगभग 13 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाता है, और प्रत्येक फैकल्टी सदस्य के लिए औसतन चार प्रकाशन होते हैं। रिसर्च आउटपुट के आधार पर भारत के सबसे तेजी से बढ़ते विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता प्राप्त, यूपीईएस कई प्रमुख भारतीय विश्वविद्यालयों से आगे निकलकर एमआईटी और ऑक्सफोर्ड जैसे संस्थानों के बराबर स्तर बनाए रखता है। इसके अतिरिक्त, पिछले वर्ष, 6844 छात्रों को आवश्यकता और योग्यता-आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से कुल 45.97 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। अकादमिक एक्सीलेंस प्राप्त करने, रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ाने और इंडस्ट्री सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की विभिन्न पहलों ने इस वर्ष ग्लोबल रैंकिंग में विश्वविद्यालय की उल्लेखनीय वृद्धि को बढ़ावा दिया है। अपने समापन भाषण में यूपीईएस के वाईस चांसलर डॉ. राम शर्मा ने कहा कि हम शिक्षा, रिसर्च और सहयोग की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास करते हैं। हमारी पहलों ने न केवल प्रभावशाली शोध और उद्यमिता को बढ़ावा दिया है, बल्कि उत्तराखंड में स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूत किया है। इन प्रयासों ने ग्लोबल और नेशनल रैंकिंग में सुधार, छात्रों के बेहतर परिणाम और सफल प्लेसमेंट में तब्दीली की है, जो हमारे फैकल्टी, छात्रों और भागीदारों के समर्पण को दर्शाता है। आज जब हम अपने छात्रों की सफलता का जश्न मना रहे हैं, तो हमें इन उपलब्धियों पर गर्व है और हम इनोवेशन, सस्टेनबिलिटी और एक्सीलेंस के भविष्य को आकार देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।

दीक्षांत समारोह में स्नातकों को सम्मानित करते यूपीईएस के पदाधिकारी।

यूपीईएस का लक्ष्य अपने छात्रों को प्रेरित करना जारी रखना है ताकि वे अपने प्रोफेशनल जीवन के अगले अध्याय में प्रवेश करते समय एक उज्जवल भविष्य को आकार देने के लिए ज्ञान, कौशल और जुनून से लैस होकर बदलाव ला सकें।